एम. ए. (पूर्व) दर्शनशास्त्र (वार्षिक पद्धति)

एम. ए. (पूर्व) दर्शनशास्त्र परीक्षा के लिये चार सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र निर्धारित किये गये है। प्रत्येक प्रश्न पत्र पांच इकाइयों में विभाजित है। एक इकाई में एक प्रश्न से हल करना आवश्यक होगा। प्रत्येक प्रश्न पत्र का पूर्णांक 100 होगा।

एम. ए. पूर्व "दर्शनशास्त्र" के निम्नलिखित चार प्रश्नपत्र होगे–

क.	प्रश्नपत्र	प्रश्नपत्र का नाम	अंक	पेपर कोड
1.	प्रथम	नीतिशास्त्र (भारतीय एवं पाश्चात्य)	100	0430
2.	द्वितीय	तर्कशास्त्र (भारतीय एवं पाश्चात्य)	100	0431
3.	तृतीय	ज्ञान मीमांसा (भारतीय एवं पाश्चात्य)	100	0432
4.	चतुर्थ	तत्व मीमांसा (भारतीय एवं पाश्चात्य)	100	0433

प्रथम प्रश्न पत्र
नीतिशास्त्र (भारतीय एवं पाश्चात्य)
(पेपर कोड – 0430)

इकाई–1
1. कठोपनिषद के नैतिक विचार
2. कर्म सिद्धांत– उसके नैतिक फलितार्थ
3. साधारण धर्म

इकाई–2
1. ऋत, ऋण तथा यज्ञ
2. कर्मयोग, स्वधर्म तथा लोकसंग्रह (भगवद्गीता के अनुसार)
3. त्रिरत्न (जैन धर्मानुसार)

इकाई–3
1. योग के यम तथा नियम
2. संवेगवाद– ए.जे. एयर, सी.एल. स्टीवेन्सन
3. बौद्ध दर्शन के अष्टांग पथ

इकाई–4
1. नव प्रकृतिवाद– फिलिप्पा फुट, जी. जे. वार्नाक,
2. कांट का कठोरतावाद
3. उपयोगितावाद– स्वरूप एवं प्रासंगिकता

इकाई–5
1. अधिकार और कर्त्तव्य–स्वरूप तथा मूल्य, न्याय और दण्ड का सिद्धान्त
2. व्यावहारिक नीतिशास्त्र–राजनैतिक एवं व्यावसायिक नैतिकता
3. सद्गुण – सुकरात, अरस्तू के अनुसार

21.8.2025

20-5-2025

विभागाध्यक्ष
स्वामी विवेकानंद स्मृति
तुलनात्मक धर्म, दर्शन एवं योग अध्ययन शाला
पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)

20.5.25

एम. ए. (पूर्व) दर्शनशास्त्र (वार्षिक पद्धति)

एम. ए. (पूर्व) दर्शनशास्त्र परीक्षा के लिये चार सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र निर्धारित किये गये है। प्रत्येक प्रश्न पत्र पांच इकाइयों में विभाजित है। एक इकाई में एक प्रश्न से हल करना आवश्यक होगा। प्रत्येक प्रश्न पत्र का पूर्णांक 100 होगा।

एम. ए. पूर्व ''दर्शनशास्त्र'' के निम्नलिखित चार प्रश्नपत्र होगे–

क.	प्रश्नपत्र	प्रश्नपत्र का नाम	अंक	पेपर कोड
1.	प्रथम	नीतिशास्त्र (भारतीय एवं पाश्चात्य)	100	0430
2.	द्वितीय	तर्कशास्त्र (भारतीय एवं पाश्चात्य)	100	0431
3.	तृतीय	ज्ञान मीमांसा (भारतीय एवं पाश्चात्य)	100	0432
4.	चतुर्थ	तत्व मीमांसा (भारतीय एवं पाश्चात्य)	100	0433

प्रथम प्रश्न पत्र
नीतिशास्त्र (भारतीय एवं पाश्चात्य)
(पेपर कोड – 0430)

इकाई–1
1. कठोपनिषद के नैतिक विचार
2. कर्म सिद्धांत– उसके नैतिक फलितार्थ
3. साधारण धर्म

इकाई–2
1. ऋत, ऋण तथा यज्ञ
2. कर्मयोग, स्वधर्म तथा लोकसंग्रह (भगवद्‌गीता के अनुसार)
3. त्रिरत्न (जैन धर्मानुसार)

इकाई–3
1. योग के यम तथा नियम
2. संवेगवाद– ए.जे. एयर, सी.एल. स्टीवेन्सन
3. बौद्ध दर्शन के अष्टांग पथ

इकाई–4
1. नव प्रकृतिवाद– फिलिप्पा फुट, जी. जे. वार्नाक,
2. कांट का कठोरतावाद
3. उपयोगितावाद– स्वरूप एवं प्रासंगिकता

इकाई–5
1. अधिकार और कर्त्तव्य–स्वरूप तथा मूल्य, न्याय और दण्ड का सिद्धान्त
2. व्यावहारिक नीतिशास्त्र–राजनैतिक एवं व्यावसायिक नैतिकता
3. सद्‌गुण – सुकरात, अरस्तू के अनुसार

20/5/25

ENGLISH VERSION **PAPER – I**

ETHICS (INDIAN AND WESTERN)

(Paper Code – 0430)

UNIT-I
1. Moral thoughts of Kathopnishad
2. Law of Karma. Its implications
3. Sadharana Dharma

UNIT-II
1. Rta, Rna and Yajna
2. Karma Yoga, Swadharma and Lokasangraha of the Bhagwad Gita
3. Triratna of Jainism

UNIT-III
1. Yama and Niyam of Yoga
2. Emotivism- A.J. Ayer and C.L. Stevension
3. Ashtang Path of Buddhism

UNIT-IV
1. Neo-Naturalism- Philippa Foot and S.J. Warnack
2. Rigourism of Kant
3. Utilitarianism- Nature and Relevance

UNIT-V
1. Rights and Duties- Nature and Value. Theory of Justice & Punishment
2. Applied Ethics- Political and Business Ethics
3. Virtue- Socraties. Aristotle

BOOKS RECOMMENDED :

1. Gita Rahasya - B.G. Tilak
2. Ethical Philosophy of India - I.C. Sharma
3. Aspects of Hindu Mortality - Saral Jhingarn
4. Sabar Bhasy Mimansa sutra (Sutra 1-5)
5. Ethical Theory - Classical and Contemporary Readings (Ed. Louis Pojmen)
6. Ethics - History, Theory and Contemporary Issue (Ed. strean M. Cahm and peter Markin)
7. कांट का नीति दर्शन - डॉ. छाया राय
8. अधिनीति शास्त्र के सिद्धान्त - वेद प्रकाश वर्मा
9. अधिनीति शास्त्र - शिवभानुसिंह
10. नीतिशास्त्र के सिद्धान्त - हृदय नारायण मिश्र
11. नीतिशास्त्र की समकालीन प्रवृत्तियां - सुरेन्द्र वर्मा

20-5-2025

20.5.25

द्वितीय प्रश्न पत्र
तर्कशास्त्र (भारतीय और पाश्चात्य)
(पेपर कोड – 0431)

इकाई–1
1. तर्कशास्त्र की परिभाषा व प्रकृति
2. भारतीय परम्परा में तर्क, ज्ञान मीमांस और तत्वमीमांस में संबंध
3. आगमन व निगमन

इकाई–2
1. अनुमान की परिभाषा एवं प्रकार – नैयायिक
2. अनुमान के अवयव – नैयायिक
3. हेत्वाभास

इकाई–3
1. वेन रेखा – पद्धति द्वारा वैधता परीक्षण
2. आकारिक तर्कदोष
3. मिल की विधियाँ

इकाई–4
1. प्रतीकीकरण – विधि
2. परिमाणीकरण सिद्धांत : विशिष्ट और सामान्य प्रतिज्ञप्ति परिमाणीकरण नियम
3. वैधता के आकारिक नियम (10 सूत्र)

इकाई–5
1. अनुमान के नियम (19 सूत्र)
2. अनाकारिक तर्कदोष :
   1. प्रासंगिक
   2. अप्रासंगिक

20-5-2025

20/05/25

20.5.25

PAPER – II
LOGIC (INDIAN AND WESTERN)
(Paper Code – 0431)

UNIT-I
1. Nature and definition of Logic
2. The relationship of logic with Metaphysics and Epistemology in Indian tradition.
3. Deduction and Induction

UNIT-II
1. Anuman (Inference) – Definition and types Nyaya
2. Parts (constituents) of Inference Nyaya
3. Hetwabhasa

UNIT-III
1. Validity-test by Vein diagram
2. Formal fallacies
3. Methods of Mill

UNIT-IV
1. Techniques of Symbolization
2. Quantification theory: singular and general propositions, Quantification rules
3. Formal proofs of validity (10 rules)

UNIT-V
1. Rules of Inference (10+9=19 rules)
2. Informal Fallacies – 1. Relevant 2. Irrelevant.

BOOKS RECOMMENDED :

1. Symbolic logic : I.M. Copi
2. प्रतीकात्मक तर्कशास्त्र : अविनाश तिवारी
3. अनुमान प्रमाण : बलिराम शुक्ल
4. भारतीय दर्शन में अनुमान : ब्रजनारायण शर्मा
5. Logic, Language and Reality : A.B.K. Matilal
6. Fundamentals of logic : A. Singh C. Goswami
7. Modern Introduction to Indian logic : S.S. Barlinge
8. तर्कशास्त्र का परिचय : आइ. एम. कोपी, अनु. संगम लाल पाण्डेय

20/05/25

20-5-2025

20.5.25

तृतीय प्रश्न पत्र
ज्ञान मीमांसा (भारतीय और पाश्चात्य)
(पेपर कोड–0432)

इकाई–1 1. भारतीय परम्परा में ज्ञानः प्रमा, अप्रमा, प्रामाण्य
2. स्वतः प्रामाण्यवाद और परतः प्रामाण्यवाद

इकाई–2 1. प्रमाण–प्रत्यक्ष, अनुमान, उपमान, शब्द, अर्थापत्ति, अनुपलब्धि
2. प्रमाण व्यवस्था तथा प्रमाण सम्प्लव

इकाई–3 1. ख्यातिवाद–अख्यातिवाद, आत्मख्यातिवाद, अन्यथाख्यातिवाद, असत्ख्यातिवाद, विपरीत–ख्यातिवाद, सदासत् ख्यातिवाद, अभिनव अन्यथा ख्यातिवाद, अनिर्वचनीय ख्यातिवाद, सद्ख्यातिवाद

इकाई–4 1. पाश्चात्य परम्परा में ज्ञान की उत्पत्ति तथा स्वरूप– बुद्धिवाद, अनुभववाद, समीक्षावाद
2. विश्वास और ज्ञान–परिभाषा एवं स्वरूप
3. प्रत्यक्ष के सिद्धान्त (पाश्चात्य दर्शन के अनुसार)

इकाई–5 1. सत्य के सिद्धांत–स्वतः प्रमाणित, संवादिता, संसक्तता, फलवाद
3. प्रागनुभाविक ज्ञान – विश्लेषणात्मक एवं संश्लेषणात्मक

20-5-2025 20/05/25

20.5.25

ENGLISH VERSION **PAPER – III**

EPISTEMOLOGY (INDIAN AND WESTERN)

(Paper Code – 0432)

UNIT-I
1. Cognition in Indian – Valid, Invalid and validity
2. Svatahpramanyavada and paratahpramanyavada

UNIT-II
1. Pramanas – Pratyaksa, Anuman, Sabda, Upmana, Arthapatti, Anupalabdhi
2. Pramana Vyavastha and pramana samplava

UNIT-III
1. Khyativada – Akhyati, Anyathakhyati Viparitakhyati, Atmakhyati, Aniravacaniya khyati, Abhinava – anyath a khyati, Sadastkhyati

UNIT-IV
1. Origin and Nature of knowledge in western tradition- Rationalism, Empiricism, Criticalism
2. Belief and Knowledge
3. Theories of perception (According to western philosophy)

UNIT-V
1. Theories of truth – Self evidence, Correspondence, Coherence, Pragmatic
2. Apriori knowledge – Analytic and Synthetic

BOOKS RECOMMENDED :

1.	D.M. Dalta	:	The six ways of knowling
2.	Debabrata sen	:	The Concept of Knowledge
3.	Srinivasa Rao	:	Perceptual Error, Indian theories
4.	J.L. Pollock	:	Contemporary theories of knowledge
5.	S. Bhattacharya	:	Doubt, belief and knowledge
6.	एस. राधाकृष्णन्	:	भारतीय दर्शन, भाग 1 एवं भाग 2
7.	संगम लाल पांडेय	:	भारतीय दर्शन
8.	पाश्चात्य दर्शन	:	याकूब मसीह

चतुर्थ प्रश्न पत्र
तत्वमीमांसा (भारतीय एवं पाश्चात्य)
(पेपर कोड – 0433)

इकाई–1
1. तत्वमीमांसा: संभावना, विषय वस्तु, क्षेत्र।
2. मानव : आत्मवाद, नैरात्मवाद, आत्मा और जीव, जीव–कर्ता भोक्ता और ज्ञाता के रूप में जीव के विभिन्न आयाम।
3. परम सत: – सत् और ब्रहम।

इकाई–2
1. ईश्वर : भक्ति सम्प्रदाय में ईश्वर की मुख्य भूमिका–रामानुज के विशेष संदर्भ में। ईश्वर अस्तित्व सिद्धि–पक्ष तथा विपक्ष। कर्माध्यक्ष के रूप में ईश्वर।
2. भौतिक जगत : पंचभूत का सिद्धान्त, त्रिगुण और पंचीकरण का सिद्धान्त, व्यावहारिक और पारमार्थिक सत्।

इकाई–3
1. सामान्य : विभिन्न भारतीय सम्प्रदायों के मत।
2. कारणता – विभिन्न भारतीय मत एवं विवाद।
3. शून्यवाद – नागार्जुन

इकाई–4
1. आभास और सत् (पाश्चात्य परम्परा में)।
2. सत् एवं संभूति (पाश्चात्य परम्परा में)।
3. द्रव्य – डेकार्ट, स्पिनोजा, लाइबनिज।

इकाई–5
1. कारणता
2. देश और काल (सभी पाश्चात्य परम्परा में)
4. मनस् और शरीर

20.5.2025

20.5.25

ENGLISH VERSION **PAPER – IV**

METAPHYSICS (INDIAN AND WESTERN)
(Paper Code – 0433)

UNIT-I
1. Possibility scope and concern of metaphysics
2. Man : Self as Atman, Nairatmavada, Atma and Jiva
   Jiva as Karta, Bhokta and Jnata-different perspectives
3. Ultimate reality: Sat and Brahman

UNIT-II
1. God: The central role of God in Bhakti School with special reference to Ramanuja. Proofs for and against the existence of God, God as karmadhyaksha.
2. Physical world: Theories of five elements gunas and Panchi Karana

UNIT-III
1. Universals : The debate amongst the different Indian Schools
2. Causation : Different Indian Views and debates
3. Shunyavad- Nagarjuna

UNIT-IV
1. Appearance and reality (In western tradition)
2. Being and becoming
3. Substance - Descartes, Spinoza, Leibnitz

UNIT-V
1. Causation
2. Space and time
3. Mind and body (All in western tradition)

BOOKS RECOMMENDED :

1. Stephen H. Phillips : Classical Indian Metaphysics
2. P.K. Makhopadhya : Indian Realism
3. Harsh Narayan : Evolution of Nyaya Vaisheshik Categories
4. Richarch Taylor : Metaphysics
5. David Hales (ed) : Metaphysics: Contemporary Readings
6. F.H. Bradley : Appearance and Reality
7. पाश्चात्य दर्शन : याकूब मसीह
8. भारतीय दर्शन : संगम लाल पांडेय

20/5/25

20.5.2025

20.5.25

एम.ए. (अंतिम) दर्शनशास्त्र (वार्षिक पद्धति)

एम.ए. अंतिम परीक्षा 2019 हेतु कुल चार प्रश्न पत्र होंगे जिनमें प्रत्येक के 100 अंक होंगे। निम्नलिखित दो प्रश्न पत्र अनिवार्य होंगे :—

अनिवार्य प्रश्न पत्र

क्र.	प्रश्न पत्र का शीर्षक	पूर्णांक	पेपर कोड
1.	समकालीन पाश्चात्य दर्शन	100	0434
2.	आधुनिक भारतीय दर्शन	100	0435

वैकल्पिक प्रश्न पत्र

एम.ए. अंतिम दर्शनशास्त्र परीक्षा 2019 हेतु निम्नलिखित प्रश्न पत्रों के समूह में से किन्हीं दो वैकल्पिक प्रश्न पत्रों का चयन परीक्षार्थियों को करना होगा :—

क्र.	प्रश्न पत्र का शीर्षक	पूर्णांक	पेपर कोड
3.(अ)	धर्म दर्शन	100	0436
3.(ब)	छत्तीसगढ़ की संत परम्परा का दर्शन	100	0437
3.(स)	योग दर्शन	100	0438
4.(अ)	शंकराचार्य का अद्वैत दर्शन	100	0439
4.(ब)	विवेकानंद का दर्शन	100	0440
4.(स)	गांधी दर्शन	100	0441
4.(द)	अघोरेश्वर भगवान राम का दर्शन	100	

PAPER – I
CONTEMPORARY WESTERN THOUGHT
(Paper Code – 0434)

UNIT-I
1. F.H. Bradley - Idealism
2. G.E. Moore - Reaslim
3. Russell
   a. Knowledge by Acquaintance and knowledge by Description
   b. Logical Atomism

UNIT-II **Ludwig Wittgenstein**
a. Propositions (Atomic facts, Elementary Proposition, Truth Functions, Logical Atomism)
b. Picture Theory
c. Language game

20.5.25 20.5.25 20.5.2025

UNIT-III **A.J. Ayer**

a. Verification Theory
b. Elimination of Metaphysics
c. Critique of Ethics and Theology

UNIT-IV Pragmatism : 1. James, Dewy.
2. Karl Marx - Materialism

UNIT-V 1. Existentialism : Sartre, Keirkagaard
2. Phenomenology

BOOKS RECOMMENDED :

1.	Philosophical studies	: G.E. Moore
2.	Problems of Philosophy	: B.Russell
3.	अस्तित्ववाद के प्रमुख विचारक	: लक्ष्मी सक्सेना, सभाजीत मिश्र
4.	समकालीन पाश्चात्य दर्शन	: जगदीश सहाय श्रीवास्तव
5.	समाकलीन पाश्चात्य दर्शन	: बसंत कुमार लाल
6.	अस्तित्ववाद पक्ष और विरोध	: पाल रूविचेक
7.	फिलासाफिकल इन्वेस्टिगेसन्स	: विटगेन्स्टाइन (अनु, अशोक वोहरा)
8.	भाषा, सत्य एवं तर्कशास्त्र	: ए.जे. एयर, (अनु, भूपेन्द्र)

20/05/2025 20.5.2025

20.5.25

PAPER – II
MODERN INDIAN THOUGHT
(Paper Code – 0435)

UNIT-I
(i) Background
  a. Characteristic Features of Modern Indian Thought
  b. Indian Philosophy today : Problems and direction
(ii) Swami Vivekananda
  a. Universal religion
  b. Practical Vedanta
  c. Four kinds of yoga

UNIT-II
(i) Rabindranath Tagore
  a. Man and God
  b. Religion of man
(ii) Mahatma Gandhi
  a. Truth and Satyagraha
  b. Non-Violence
  c. Trusteeship

UNIT-III
(i) Dr. S.Radhakrishnan
  a. Intellect and intuition
  b. Synthesis of East and West
(ii) Sri Aurobindo
  a. Reality as "sat-cit-ananda"
  b. Theory of Evolution
  c. Super mind.

UNIT-IV
(i) M.N. Roy
  a. Criticism of communism
  b. Radical Humanism
(ii) K.C. Bhattacharya
  a. Concept of Philosophy
  b. Grades of Consciousness
  c. Interpretation of maya.

UNIT-V
(i) Bal Gangadhar Tilak :
Interpreatation of the Gita, yogah Karmasu Kausalam.
(ii) B.R. Ambedkar:
Criticism of social evil
(iii) J. Krihnamurti :
Concept of freedom
(iv) Acharya Rajneesh (OSHO)
Concept of Education
(v) Pt. Deendayal Upadhyay - Ekatma Manavavada

20.5.2025

20.5.25

BOOKS RECOMMENDED :

1. विवेकानंद साहित्य
2. Complete works of Swami Vivekananda
3. बाल गंगाधर तिलक : गीता रहस्य
4. Sri Aurobindo : The life Divine.
5. R.N. Tagore : The Religion of Man
6. K.C. Bhattacharya : Studies in Philosophy
7. Radhakrishnan : An Idealist view of life
8. J. Krishnamurty : Freedom from the known
9. डॉ. रामजी सिंह : गांधी दर्शन
10. B.R. Ambedkar : Writings and Speeches Vol. I
11. डॉ. बी. कार्णिक : मानवेन्द्र नाथ राय
12. डॉ. डी. डी. बंदिष्टे : नवमानववाद
13. ओशो : शिक्षा में क्रांति

वैकल्पिक प्रश्न पत्र – तृतीय (अ)
धर्म – दर्शन
(पेपर कोड – 0436)

इकाई–1 धर्म दर्शन का महत्व तथा स्वरूप, धर्म की परिभाषा एवं उसका विज्ञान तथा दर्शन से संबंध, धार्मिक चेतना का स्वरूप।

इकाई–2 धर्म की उत्पत्ति के सिद्धांत एवं धर्म की आवश्यकता।

इकाई–3 अनिश्वरवाद – ईश्वर के बिना धर्म ।

इकाई–4 ईश्वर का स्वरूप एवं गुण, ईश्वर की सत्ता सिद्ध के प्रमाण, अशुभ की समस्या।

इकाई–5 1. महात्मागांधी – सर्वधर्म समभाव
2. स्वामी विवेकानन्द – सार्वभौम धर्म

अनुशंसित पुस्तके –

1. धर्म दर्शन – डॉ. रामनारायण व्यास, मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी
2. धर्म दर्शन – डॉ. लक्ष्मीनिधि शर्मा
3. धर्म दर्शन – हृदय नारायण मिश्र
4. धर्म दर्शन – दुर्गादत्त पांडेय

20/05/25

20.5.2025

20.5.25

वैकल्पिक प्रश्न पत्र – तृतीय (ब)
छत्तीसगढ़ की संत परम्परा का दर्शन
(पेपर कोड – 0437)

इकाई–1
1. भारतीय संत परंपरा
2. छत्तीसगढ़ की संत परंपरा का सर्वेक्षण

इकाई–2 **कबीरदास**
1. कबीरदास की पृष्ठभूमि
2. कबीर दर्शन
3. छत्तीसगढ़ में कबीर पंथ की दार्शनिक एवं साहित्यिक परंपरा

इकाई–3 **वल्लभाचार्य**
1. छत्तीसगढ़ के वल्लभाचार्य का जीवन परिचय
2. वल्लाभाचार्य का दर्शन : ब्रह्म, आत्मा, जीव, जगत्, माया, मोक्ष
3. पुष्टिमार्ग

इकाई–4 **गुरू घासीदास**
1. गुरू घासीदास का धर्म : सतनाम पंथ
2. गुरू घासीदास का दर्शन

इकाई–5 संत कबीरदास, श्रीमद् वल्लाभाचार्य एवं गुरू घासीदास के धार्मिक एवं दार्शनिक विचारों की तुलना

अनुशंसित पुस्तके –

1. परशुराम चतुर्वेदी	:	उत्तर भारत की संत परंपरा
2. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल	:	हिन्दी साहित्य का इतिहास
3. डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी	:	कबीर
4. डॉ. रामकुमार वर्मा	:	संत कबीर
5. डॉ. श्याम सुंदर दास	:	कबीर ग्रंथावली
6. अयोध्यासिंह उपाध्याय	:	कबीर रचनावली
7. डॉ. सत्यभामा आडिल	:	संत धर्मदास : कबीर पंथ के प्रवर्तक
8. डॉ. सालिक राम अग्रवाल	:	संत कबीर एवं कबीर पंथ
9. वल्लभाचार्य	:	अणुभाष्य
10. वल्लभाचार्य	:	तत्वदीप निबंध
11. दीनदयाल गुप्त	:	अष्टछाप और वल्लभ सम्प्रदाय
12. सीताराम चतुर्वेदी	:	महाप्रभु श्रीमद् वल्लभाचार्य एवं पुष्टि मार्ग
13. हीरा लाल शुक्ल	:	गुरू घासीदास : संघर्ष, समन्वय और सिद्धान्त

20/05/25 20.5.2025

20.5.25

वैकल्पिक प्रश्न पत्र – तृतीय (स)
(पेपर कोड – 0438)
YOGA DARSHAN

UNIT-I Cittavritti : yoga as cittavrittinirodhah, vrittis : pramana, viparyaya, vikalpa, nidra, smriti; their control through abhyasa and vairagya

UNIT-II Two types of Samadhi (samprajnata and asamprajnata) and their characteristics ; attainment of Samadhi through meditating on Isvara (God); nature of Isvara; cittaviksepas and the manner of overcoming them: sabija and nirbija Samadhi

UNIT-III Five klesas and their nature; conjunction drasta and drisya as the root cause of ignorance; kaivalya results from removal of avidya; the eight-fold path leading to kaivalya : yama, niyama, asana, pranayama, pratyahara, dhyana, dharana, Samadhi; the varieties and characteristics of each one of the above eight elements.

UNIT-IV Concentration of citta on various entities and the resulting consequences : eight siddhis resulting from control over citta and their description : kaivalya as Resulting only when the siddhis are transcended

UNIT-V The nature of nirmanacitta : kinds of karmas and vasanas produced by it :ending of beginning less vasanas : dharmaneghasamadhi : nature of kaivalya.

SUGGESTED READINGS:

1. M.N. Dvidedi (Tr.) : Patanjali's Yogasutra, Adyar, 1947
2. Ganganatha Jha (Tr.) : Patanjali's Yogasutra with Vyasa's Bhasya, Vijnana Bhiksu's Yogavarttika and notes from Vacaspati Misra's Tattvavaisardi, Bombay, 1907
3. J.H. Woods (Tr.) : Patanjali's Yogasutra with Vyasa's Bhasya and Vacaspati Misra's Tattvavaisaradi, Delhi, 1966
4. Surendranath Dasgupta : The study of Patanjali, Calcutta, 1920
5. Mircea Eliade : Yoga : Immortality and Freedom (Tr. From French by Willard R. Trask) Princeton, 1970
6. Sri Aurobindo : The Synthesis of yoga
7. T.S. Rukmani (Tr.) Yogavartika of Vijnana Bhiksu. Vols. I to IV, Delhi, 1985.

20/05/25

20.5.2025

20.5.25

वैकल्पिक प्रश्न पत्र – चतुर्थ (अ)
शंकर का अद्वैत वेदांत
(पेपर कोड – 0439)

इकाई–1 अध्यास, माया, अविद्या, विवर्तवाद।
इकाई–2 ब्रह्म, आत्मा, जीव, जगत, मोक्ष।
इकाई–3 चतुः सूत्री।
इकाई–4 तर्कपाद – शंकराचार्य द्वारा सांख्य, वैशेषिक, जैन एवं बौद्ध दर्शन की आलोचना।
इकाई–5 रामानुज द्वारा शंकर की आलोचना।

सहायक पुस्तके :–

1. शांकर भाष्य, सत्यानंदी दीपिका : ब्रह्म सूत्र
2. रामस्वरूप सिंह नौलखा : शंकर का ब्रह्मवाद
3. राधाकृष्णन : भारतीय दर्शन, भाग–2
4. जगदीश सहाय श्रीवास्तव : अद्वैत वेदांत की तार्किक भूमिक
5. एन.के. देवराज : भारतीय दर्शन
6. एस.एन. दासगुप्ता : भारतीय दर्शन

20/5/25

20.5.2025

20.5.25

वैकल्पिक प्रश्न पत्र – चतुर्थ (ब)
स्वामी विवेकानंद का दर्शन
(पेपर कोड – 0440)

इकाई–1 स्वामी विवेकानंद का जीवन परिचय, रामकृष्ण परमहंस का प्रभाव, तत्कालीन सामाजिक–धार्मिक परिस्थितियां एवं उनका विवेकानन्द पर प्रभाव, पारंपरिक वेदान्त का विवेकानन्द पर प्रभाव, नव्य वेदान्त का सामान्य परिचय।

इकाई–2 विवेकानन्द का वेदांत दर्शन : ब्रह्म, माया, जीवन, मोक्ष। पारंपरिक वेदांत और नव्य वेदान्त में अंतर।

इकाई–3 विवेकानन्द का धर्म दर्शन : धर्म का स्वरूप, धार्मिक सहिष्णुता, सार्वभौम धर्म, विभिन्न धर्मो पर विवेकानन्द की तुलनात्मक दृष्टि, धर्म और आध्यात्मिकता, वर्तमान में धर्म की प्रासंगिकता।

इकाई–4 विवेकानन्द का योग : ज्ञानयोग, कर्मयोग, भक्तियोग, राजयोग।

इकाई–5 विवेकानन्द का समाजदर्शन : भारतीय समाज का स्वरूप, जाति एवं वर्ण–व्यवस्था, सामाजिक न्याय, संस्कृति राष्ट्रवाद।

वैकल्पिक प्रश्न पत्र – चतुर्थ (स)
गांधी दर्शन
(पेपर कोड – 0441)

इकाई–1 मोहनदास करमचन्द गांधी : जीवन परिचय, गांधी दर्शन को प्रभावित करने वाली तत्कालीन परिस्थितियाँ एवं विभिन्न धर्म। सर्वोदय विचार।

इकाई–2 गांधी दर्शन : ईश्वर का स्वरूप, जीव, जगत, भक्ति, धर्म का स्वरूप, सर्व–धर्म समभाव।

इकाई–3 सत्याग्रह और अहिंसा : नैतिक सामाजिक आध्यात्मिक दृष्टि से विवेचन।

इकाई–4 समाज दर्शन : वर्ण व्यवस्था, ट्रस्टीशिप, बुनियादी शिक्षा, एकादश व्रत का नैतिक तथा सामाजिक महत्व और समाजवाद।

इकाई–5 गांधी दर्शन की प्रासंगिकता : युद्ध और शान्ति, धर्म और राजनीति, धार्मिक सहिष्णुता, उदारीकरण, वैश्वीकरण और स्वदेशी आदि के संदर्भ में।

सहायक ग्रन्थ :

1. गांधी बाडमय (संदर्भित अंश)
2. महात्मा गांधी का समाज दर्शन : डॉ. महादेव प्रसाद
3. Gandhian Philosophy of Sarvoday : S.N. Sinha
4. सत्य के प्रयोग (गांधी : आत्मकथा)
5. गीता माता (गीता पर गांधी की टीका)
6. प्रार्थना प्रबंधन : सस्ता साहित्य मण्डल

प्रश्न–पत्र–चतुर्थ (द)

"अघोरेश्वर भगवान राम का दर्शन"

(सत्र 2015–16 से प्रभावी)

नोट : यह प्रश्न पत्र अन्य प्रश्न पत्रों की भांति 100 अंकों का है तथा कुल 05 इकाईयों में विभक्त हैं।

1. अघोर–परम्परा का परिचय–

क. अघोर एवं अवधूत के अभिप्राय.
ख. अघोर परम्परा का संक्षिप्त इतिहास.
ग. अघोर परम्परा के त्रिरत्न
- अ. अवधूत दत्तात्रेय
- ब. अघोराचार्य कीनाराम
- स. अघोरेश्वर भगवान् राम

2. ज्ञान–मीमांसा एवं तत्त्व–मीमांसा–

- प्रत्यक्ष प्रमाण
- अनुमान प्रमाण
- शब्द प्रमाण
- अपरोक्षानुभूति
- परम तत्व : सर्वेश्वरी
- प्राण
- आत्मा
- जगत

3. नीति दर्शन एवं साधना–पक्ष

- नीति दर्शन
    - समदर्शिता व समवर्तिता का समन्वय
    - प्राण साधना
        - नैतिक आचरण
        - प्राण नियंत्रण
        - ध्यान–समाधि
    - शव साधना–समत्व योग
    - मानवता के व्रत
- साधना पक्ष
    - दीक्षा
    - मात्र जप
    - सत्संग
    - स्वधर्म
    - अघोर–घोर

20/05/25

20.5.2025

20.5.25

4. समाज–दर्शन

अ.

- समाज दर्शन के आधार
  - अभेद
  - अघृणा
  - अभय
- मानववाद
- योग्यताधारित श्रम विभाजन
- मानव–धर्म–साम्प्रदायिकता का विरोध
- राष्ट्र, युवा, नारी–शक्ति

ब.

- अघोर–दर्शन का व्यावहारिक अनुवर्तन
  - आश्रमों की स्थापना
  - सामाजिक कुरीतियों का विरोध एवं समाधान
  - कुष्ठ–रोग निवारण
  - पर्यावरण–संरक्षण

5. तुलनात्मक अध्ययन

- उपनिषद एवं अघोरवाद
- बौद्ध दर्शन एवं अघोरवाद
- योग दर्शन एवं अघोरवाद
- समकालीन मानववाद एवं अघोरवाद

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. औघड़ भगवान राम– पं.यज्ञ नारायण चतुर्वेदी– श्री सर्वेश्वरी समूह,
2. अघोरेश्वर स्मृति वचनामृत– सं.लक्ष्मण शुक्ल– श्री सर्वेश्वरी समूह,
3. अघोर गुरू गुह– सं.लक्ष्मण शुक्ल– श्री सर्वेश्वरी समूह,
4. अघोरेश्वर संवेदनशील– सं.लक्ष्मण शुक्ल– श्री सर्वेश्वरी समूह,
5. अघोर वचन शास्त्र– अघोरेश्वर भगवान राम– श्री सर्वेश्वरी समूह,
6. अघोर विचार दर्शन– सं.मान बहादुर सिंह– श्री सर्वेश्वरी समूह,
7. अघोरेश्वर भगवान राम का दर्शन– डॉ.राम प्रकाश सिंह– श्री सर्वेश्वरी समूह,
8. अघोड–मत : सिधांत एवं साधना– डॉ.सरोज कुमार मिश्र– क. 01 से 08 तक उल्लेखित ग्रंथो के प्रकाशक एवं प्राप्ति स्थान : अघोर शोध संस्थान एवं ग्रंथालय, अवधूत भगवान राम कुष्ठ सेवा आश्रम, पड़ाव, वाराणसी है ।
9. संत–मत का सरभंग सम्प्रदाय– डॉ.धर्मेन्द ब्रह्मचारी शास्त्री– बिहार राष्ट्र भाषा परिषद् पटना
10. तुलनात्मक धर्म–दर्शन– डॉ.याकूब मसीह– मोतीलाल बनारसी दास, वाराणसी
11. भारतीय दर्शन– डॉ.नंद किशोर देवराज–उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ
12. अघोर पंथ और संत कीनाराम– डॉ.सुशीला मिश्र– विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

20/05/25

20.5.2025

20.5.25